



सत्यमेव जयते



संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता है कि विश्व हिंदी परिषद द्वारा राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' जी की 115 वीं जयंती के पुनीत अवसर पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है और इस अवसर पर परिषद द्वारा एक 'स्मारिका' का प्रकाशन भी किया जा रहा है।

आज प्रत्येक देशवासी पूरे उत्साह से भारत की स्वाधीनता के 76 वर्ष पूर्ण होने पर 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है। विश्व हिंदी परिषद द्वारा इस महत्वपूर्ण अवसर पर स्वाधीनता-आंदोलनों में अपनी देशभक्ति परक रचनाओं से स्वतंत्रता की अलख जगाने वाले राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' जी को श्रद्धांजलि स्वरूप इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत सराहनीय है।

रामधारी सिंह 'दिनकर' जी ने 'कलम आज उनकी जय बोल' 'जनतंत्र का जन्म' 'हे मेरे स्वदेश' जैसी रचनाओं के माध्यम से भारतीय जनता को देश के अमर शहीदों की गाथाओं से प्रेरणा ग्रहण कर राष्ट्रीय आन्दोलनों को निखारने का कार्य किया। उनकी ओजपूर्ण राष्ट्रवादी रचनाओं ने भारतीय जनमानस में एक नया जोश भर दिया और उनके हृदय में देश के प्रति अनन्य प्रेम की भावना का संचार किया। इनकी रचनाओं से प्रेरणा लेकर स्वाधीनता आन्दोलनों में सभी समुदाय के लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया जिसके परिणामस्वरूप 'स्वराज्य' की संकल्पना साकार हुई।

हिंदी के समृद्ध साहित्य की विरासत के प्रचार-प्रसार से आज हिंदी संवाद का महत्वपूर्ण और मज़बूत स्तम्भ बनकर वैश्विक स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बनाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है। मुझे विश्वास है कि इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन के आयोजन से हिंदी साहित्य प्रेमियों में एक नवीन ऊर्जा का संचार होगा।

मैं इस अन्तरराष्ट्रीय सम्मलेन से जुड़े सभी विद्वानों, साहित्य प्रेमियों और भाषाविदों को साधुवाद देती हूँ और इस सम्मलेन की सफलता की कामना करती हूँ।

(अनुप्रिया पटेल)

नई दिल्ली,
अगस्त 28, 2023